भव से पार उतारो बाबा

भव से पार उतारो बाबा मुझको प्यार से निहारो बाबा
तेरी शरण में मैं भी आऊ मुझको कभी उतारो बाबा
भव से पार उतारो बाबा .....

कत्या का तुमने कष्ट मिटाया फैजा तू ने कर्ज चुकाया
तुम ने सब को है अपनाया मुझको भी सविकारो बाबा
भव से पार उतारो बाबा .....

मंदिर में कुरान पड़ाई मस्जिद में धुनी जग्वाई
सब की बिगड़ी बात बनाई मेरे भग्य सवारों बाबा
भव से पार उतारो बाबा .....

मुर्ख ये जो नादानी से तेल दिया नही मन मानी से,
रौशनी किये दीये पानी से मेरा घर उजारो बाबा
भव से पार उतारो बाबा .....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22139/title/bhav-se-par-utaro-baba

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |